बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

सोमवार, तिथि ६ अप्रील १९६४।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में सोमवार, तिथि ६ अप्रील, १९६४ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मीनारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।

Short notice Questions and Answers.

महंगाई भत्ते का भुगतान।

१००। श्री एकनारायण चौधरी—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि २७, २८ और २९ नवम्बर को अपर लोक-शिक्षा निदेशक श्री जी० पी० दूबे ने दरभंगा जिले के नरपति नगर हाई-स्कूल के रेकार्डों की जांच की थी और पटना जिले के पावड़ा हाई स्कूल की जांच क्षेत्रीय शिक्षोपनिदेशक तथा श्री जी० पी० दूबे ने की थी;

(२) क्या यह बात सही है कि नरपति नगर उच्चागंल विद्यालय के शिक्षकों को डेढ़ वर्ष से महंगाई भत्ता नहीं मिला है;

(३) क्या यह बात सही है कि दोनों विद्यालयों की जांच रिपोर्ट सचिवालय से गायब है;

(४) क्या यह बात सही है कि श्री दूबे ने नरपति नगर के शिक्षकों को महंगाई भत्ता देने की सिफारिश की है;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वहां के शिक्षकों को महंगाई भत्ता दिलाने एवं जांच रिपोर्ट की खोज कराने का विचार रखती है ?

श्री गिरीश तिवारी—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

---

(२) वस्तु स्थिति यह है कि केवल छः माह अर्थात सितम्बर, १९६२ से ५ फरवरी १९६३ तक का महंगाई भत्ता बाकी रह गया है। १९६३-६४ के महंगाई भत्ता का अनुदान भेज दिया गया है। छः महीने के बकाये का भी प्रयास किया जा रहा है।

श्री गिरीश तिवारी—इसके लिये कोशिश की जायेगी।

श्री एक नारायण चौधरी—बिल में कौन-सी त्रुटि है जिसके चलते अभी तक बिल का भुगतान नहीं हो सका है और मैं जानना चाहता हूं कि क्या कभी-कभी लोग पैसा चाहते हैं इसलिये इस तरह की त्रुटि वगैरह बतला कर बिल के भुगतान में देरी होती है ?

(कोई जवाब नहीं मिला।)

(तारांकित प्रश्न नं० १३९९ के संबंध में।)

श्री कर्पूरी ठाकुर—इस प्रश्न को पहले से स्थगित कर दिया गया है और इसलिये इसे स्थगित किया गया है कि इसका जवाब हमारे शिक्षा मंत्री स्वयं देंगे। आज भी वे उपस्थित नहीं हैं इसलिए आज भी इसे स्थगित कर दिया जाय।

अध्यक्ष—राज्य-मंत्री की राय में पहले इस पर जानना चाहता हूं।

श्री गिरीश तिवारी—इसका उत्तर तो कार्यालय से आ गया है लेकिन जहां तक पूरक का संबंध है, उसका उत्तर तो शिक्षा मंत्री अच्छी तरह से दे सकते हैं इसलिये इसको स्थगित कर दिया जाय।

आहर की मरम्मत।

२१६९। श्री गुठली सिंह—क्या मंत्री, कृषि (लघु-सिंचाई) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि शाहाबाद जिला अन्तर्गत थाना नोखा के ग्राम पड़रिया में लघु संगठित योजना के अन्तर्गत आहर मरम्मत की योजना सरकार ने स्वीकृत की है;

(२) क्या यह बात सही है कि तारीख २४ जनवरी १९६४ को लघु संगठित सिंचाई योजना के कार्यपालक अभियंता, आरा डिवीजन के उक्त आहर की मरम्मत के लिये टेंडर (निविदा) भी मांगा था;

(३) क्या यह बात सही है कि कृषि विभाग के पदाधिकारियों की लापरवाही के कारण उपरोक्त आहर की मरम्मत के लिये अभी तक कोई ठीकेदार मोकर्रर नहीं किया गया है;

(४) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अविलम्ब किसानों के उपज की वृद्धि को मद्देनजर रखते हुए उक्त आहर की मरम्मत के लिये ठीकेदार मोकर्रर करके ३० जून १९६४ तक मरम्मत का कार्य समाप्त कर देने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक; यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राधवेन्द्र नारायण सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है। यह योजना बनी है, परन्तु अभी स्वीकृत नहीं हुई है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है परन्तु २४ जनवरी १९६४ को नहीं अपितु १८ जनवरी १९६४ को टेन्डर की सूचना दी गयी थी और टेन्डर देने की तिथि ५ फरवरी १९६४ को रखी गयी थी।

(३) उत्तर नकारात्मक है। योजना की स्वीकृति के अभाव में टेन्डर नहीं लिया गया इसलिये ठीकेदार ठीक करने का सवाल नहीं उठता है।

(४) ३० जून तक काम समाप्त करने की आज्ञा नहीं है, इस योजना के एस्टीमेट को फिर से छानबीन की जा रही है और स्वीकृति अब प्राप्त कर, इसमें आगे की कारंवाई की जा सकेगी।

श्री गुठली सिंह—क्या बरसात के पहले सरकार उस आहर की मरम्मती करने का विचार रखती है ?

श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह—यह संभव नहीं है। एस्टीमेट अभी रिवाइज किया जा रहा है।

श्री गुठली सिंह—एस्टीमेट में कौन-सी गलती हो गयी है जिसके कारण उसको रिवाइज करना पड़ रहा है ?

श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह—अभी जो एस्टीमेट बना है, उसमें १६८ रु० प्रति एकड़ खर्च का हिसाब है लेकिन १५० रु० प्रति एकड़ खर्च का जो हिसाब है, इसमें कमी करके इस रकम तक लाने की कोशिश की जा रही है और इसकी बाद इसको स्वीकृति मिल जायेगी।

श्री गुठली सिंह—रिवाइज करने में कितना समय लगेगा ?

श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह—ज्यादा-से-ज्यादा २ महीना।

बेलाटांड़ तथा टिटकोरवा सिंचाई-योजना।

क–२१७०। श्री लखन मुर्मू—क्या मंत्री, कृषि (लघु-सिंचाई) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) सोनो प्रखंड (मुंगेर जिला) के बेलाटांड़ और टिटकोरवा सिंचाई योजनाओं का सर्वेक्षण कब समाप्त हुआ है;

(२) कितने-कितने एकड़ जमीनों की सिंचाई इनके द्वारा संभव है;

(३) इनका अनुमित व्यय अलग-अलग क्या है और इन्हें कार्यारम्भ करने में विलम्ब का कारण क्या है ?

श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह—(१) सोनो प्रखंड के बेलाटांड़ का सर्वेक्षण फरवरी १९६४ में समाप्त हो गया है। टिटकोरवा का सर्वेक्षण अभी नहीं हुआ है।

(२) बेलाटांड़ से करीब ५०० एकड़ भूमि को सिंचाई होने की संभावना है। टिटकोरवा के संबंध में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है।

(३) बेलाटांड़ योजना का अनुमानित खर्च करीब ८०,००० रु० है। स्वीकृति के पश्चात् कार्य का आरंभ किया जा सकता है। टिटकोरवा के संबंध में सर्वेक्षण के बाद ही अनुमानित व्यय के बारे में कुछ कहना संभव है। सर्वेक्षण मई, १९६४ से शुरू करने की संभावना है अतः विलम्ब का प्रश्न ही नहीं उठता।

चकिया फेजर सिंचाई योजना का कार्यान्वयन।

क–२१७१। श्री लखन मुर्मू—क्या मंत्री, कृषि (लघु-सिंचाई) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) लक्ष्मीपुर प्रखंड (मुंगेर) के चौकिया फेजर सिंचाई योजना का सर्वेक्षण कराया गया है; यदि हां, तो इसका अनुमानित खर्च क्या है;

क–प्रश्नकर्त्ता की अनुपस्थिति में उत्तर श्री कृष्ण सिंह, स० वि० स० के अनुरोध पर दिया गया।